तीन कब्रों का घर...

एक लड़की अचानक गायब हुई... सोशल मीडिया पर उसकी मौजूदगी बनी रही, लेकिन सच उसके प्रेमी के घर की दीवारों के पीछे दफन मिला.

राजधानी में रात के सन्नाटे में वह घर बिल्कुल सामान्य दिखाई देता था. कमरे में सामान अपनी जगह था. घर के भीतर जिंदगी के निशान मौजूद थे. बाहर से देखने पर ऐसा कुछ नहीं था, जिससे किसी को शक हो कि इसी घर के भीतर एक ऐसा राज छिपा है, जो सामने आने के बाद शहर ही नहीं पूरे देश को हिला देगा. लेकिन पश्चिम बंगाल पुलिस जिस लड़की को तलाशते हुए इस घर तक पहुंची थी, वह यहां मौजूद नहीं थी. कम से कम जिंदा तो नहीं. पर एक अजीब बात थी. उस लड़की के सोशल मीडिया अकाउंट पर अब भी गतिविधियां दिखाई दे रही थीं. परिवार को कभी लगता कि शायद वह अमेरिका पहुंच गई है. कभी लगता कि वह किसी काम में व्यस्त होगी. फोन बंद था, लेकिन उसकी डिजिटल मौजूदगी बनी हुई थी. फिर पुलिस ने सवाल पूछना शुरू किया. लड़की अमेरिका गई थी तो उसका कोई ठोस सुराग क्यों नहीं? उससे फोन पर बात क्यों नहीं हो रही? और सबसे बड़ा सवाल–आखिर उसके जाने के बाद उसके सोशल मीडिया अकाउंट कौन चला रहा था? इन सवालों के जवाब तलाशते हुए बंगाल पुलिस भोपाल के साकेत नगर पहुंची. उन्हें अंदाजा नहीं था कि जिस घर की तलाशी ली जा रही है, उसकी जमीन और दीवारें एक नहीं, बल्कि कई मौतों की कहानी अपने भीतर दबाए बैठी हैं. पश्चिम बंगाल के बांकुड़ा जिले की रहने वाली आकांक्षा शर्मा की जिंदगी में उदयन दास की एंट्री सोशल मीडिया के जरिए हुई थी. दोनों के बीच बातचीत बढ़ी और रिश्ता गहरा होता गया. फिर आया जून 2016. आकांक्षा अपने परिवार से दूर भोपाल आ गई. परिवार को बताया कि वह अमेरिका जा रही है. उसे शायद खुद भी अंदाजा नहीं था कि जिस रास्ते पर वह कदम रख रही है, उसके आखिर में क्या होने वाला है.

भोपाल में वह उदयन के साथ साकेत नगर स्थित घर में रहने लगी. कुछ समय तक परिवार से फोन पर बातचीत होती रही. फिर अचानक सब बंद हो गया. फोन बंद. बातचीत बंद. लेकिन सोशल मीडिया पर अकाउंट सक्रिय। परिवार के लिए यह बेचैनी पैदा करने वाला था. एक इंसान गायब था, लेकिन उसकी ऑनलाइन जिंदगी खत्म नहीं हुई थी. आखिरकार परिवार ने पश्चिम बंगाल के बांकुड़ा में पुलिस से संपर्क किया. पुलिस ने आकांक्षा की तलाश शुरू की. जांच में सामने आया कि उसके अमेरिका जाने की बात सही नहीं थी. अब शक का दायरा उस व्यक्ति तक पहुंच चुका था, जिसके साथ आकांक्षा भोपाल में रह रही थी. उदयन दास. पश्चिम बंगाल पुलिस की टीम भोपाल पहुंची. साकेत नगर के उस घर की तलाशी ली गई. लेकिन पहली नजर में पुलिस के हाथ ऐसा कुछ नहीं लगा, जिससे पूरी कहानी साफ हो जाती. घर शांत था. कोई हंगामा नहीं. कोई स्पष्ट सुराग नहीं.

पूछताछ में टूटी कहानी

जांच आगे बढ़ी. उदयन से सवाल हुए. उससे आकांक्षा के बारे में पूछा गया. उसके जवाबों की पड़ताल की गई. फिर पूछताछ ने ऐसा मोड़ लिया, जिसने पूरे मामले को बदल दिया. पुलिस के मुताबिक, उदयन ने आकांक्षा की हत्या की बात स्वीकार की. जुलाई 2016 में हत्या के बाद शव को घर के भीतर ही छिपा दिया गया था. शव को एक संदूक में रखा गया. सीमेंट का इस्तेमाल कर उसे बंद किया गया. और उसके ऊपर चबूतरे जैसी संरचना बना दी गई. एक घर के भीतर एक कब्र तैयार हो चुकी थी. जिस कमरे में कभी दोनों साथ रहते थे, उसी जगह अब मौत का राज दफन था. लेकिन पुलिस के सामने अभी सबसे बड़ा सवाल बाकी था उदयन ने ऐसा क्यों किया?

आकांक्षा क्या जान चुकी थी...?

जांच में यह बात सामने आई कि आकांक्षा को उदयन की जिंदगी से जुड़े कुछ ऐसे राज पता चल गए थे, जिन्हें लेकर दोनों के बीच तनाव बढ़ गया था. पुलिस के अनुसार, जुलाई 2016 के मध्य में दोनों के बीच विवाद हुआ. इसके बाद 27 दिसंबर 2026 को आकांक्षा की हत्या कर दी गई. अब पुलिस को उदयन के उस अतीत की तलाश थी, जिसे आकांक्षा जान चुकी थी. और तभी कहानी ने दूसरा मोड़ लिया.

एक साधारण सवाल... और बदल गया पूरा मामला

पुलिस ने उदयन से उसके माता–पिता के बारे में पूछा. सवाल साधारण था. लेकिन जवाब ने जांच की दिशा बदल दी. उदयन लंबे समय से लोगों को बता रहा था कि उसके माता–पिता अमेरिका में रहते हैं. कभी पिता की बीमारी की बात कही गई. कभी उनकी मौत की. कभी कहा गया कि मां अमेरिका में रह रही हैं. लेकिन अब पुलिस के सामने एक सवाल खड़ा था अगर माता–पिता अमेरिका में हैं, तो वे हैं कहां? जांच आगे बढ़ी. पुराने रिकॉर्ड खंगाले गए. रायपुर का पता सामने आया. और फिर पुलिस उस घर तक पहुंची, जहां उदयन के माता–पिता रहते थे.

रायपुर: गार्डन की मिट्टी ने खोला राज

उदयन के माता–पिता बीरेन्द्र कुमार दास और इंद्राणी दास रायपुर में रहते थे. पुलिस जांच में आरोप सामने आया कि दोनों की हत्या कई वर्ष पहले कर दी गई थी. इसके बाद उनके शवों को घर के गार्डन में दफना दिया गया. उदयन दास को 2 फरवरी 2017 को भोपाल से गिरफ्तार किया गया आकांक्षा शर्मा की हत्या के मामले में पश्चिम बंगाल की अदालत ने 2020 में उदयन दास को उम्रकैद की सजा सुनाई. रायपुर में माता–पिता की हत्या के मामले में भी उसे उम्रकैद की सजा मिली.

जेल में धौंस जमाने के लिए बोले– 'एक हत्या और कर रखी है, पुलिस को पता तक नहीं'

इंदौर से धर्मेन्द्र सिंह चौहान

जेल की चारदीवारी के भीतर दो कैदी अक्सर साथी बंदियों पर धौंस जमाया करते थे. खुद को बड़ा अपराधी साबित करने के लिए वे अपनी पुरानी वारदातों के किस्से सुनाते थे. इसी दौरान दोनों ने ऐसी बात कह दी, जिसने 11 साल से बंद पड़ी हत्या की फाइल को फिर खोल दिया. उन्होंने साथी कैदियों के सामने डींग हांकी– 'हमने एक हत्या और कर रखी है... पुलिस को आज तक पता नहीं चला.' बात जेल की दीवारों के भीतर ज्यादा देर नहीं रुकी, यह जानकारी पुलिस तक पहुंची. पुलिस ने जब इस दावे को गंभीरता से लिया और अकील व आरिफ से पूछताछ शुरू की तो एक–एक कर उस रात की तस्वीर सामने आने लगी, जिसे दोनों ने 11 साल पहले हमेशा के लिए दफन समझ लिया था.

11 साल बाद पुलिस की गिरफ्त में आए आरोपी. इनसेट में कृष्णा, कृष्णा के गले में चमकता लॉकेट बना मौत की वजह.

फाइल में सवाल वही था– आखिर कृष्णा को किसने मारा?

वह रात... जब कृष्णा घर नहीं लौटा, 17 अप्रैल 2015...

इंदौर की सड़कों पर रात उतर चुकी थी. 17 साल का कृष्णा अपनी मोटरसाइकिल से जा रहा था. उसे क्या पता था कि रास्ते में मिलने वाले तीन लोग उसकी जिंदगी की आखिरी मुलाकात बनने वाले हैं. तीनों ने कृष्णा से लिफ्ट मांगी. कृष्णा ने बाइक रोक दी. उसे शायद यह अंदाजा भी नहीं था कि कुछ ही देर बाद उसकी बाइक शहर की सड़कों से हटकर एक सुनसान मैदान में पहुंचने वाली है. खजराना बायपास के पास बाइक सुनसान मैदान की तरफ मुड़ी. शहर पीछे छूट गया. आसपास सन्नाटा था. फिर तीनों ने कृष्णा के साथ नशा किया. इसके बाद आरोपियों की नजर कृष्णा के सामान पर गई. गले में सोने का लॉकेट, चांदी की चेन और पेंडल था, जेब में नकदी थी. लालच बढ़ा और सामान छीन लिया गया. लेकिन कृष्णा ने विरोध कर दिया. यहीं से लूट की वारदात ने खौफनाक मोड़ ले लिया. अकील ने चाकू निकाला और कृष्णा के गले पर वार कर दिया. 17 साल का कृष्णा खून से लथपथ होकर वहीं गिर पड़ा. गले पर गंभीर चोट के कारण अत्यधिक रक्तस्राव हुआ और उसकी मौके पर ही मौत हो गई.

डींग ने खोल दिया 11 साल पुराना राज... 17 साल के कृष्णा की हत्या में अकील और आरिफ गिरफ्तार

अब आरोपियों के सामने सिर्फ एक सवाल था- पुलिस तक यह राज कैसे न पहुंचे?

बाइक जलाई... समझे सबूत भी जल गए, तीनों ने वारदात के निशान मिटाने की कोशिश की. कृष्णा की मोटरसाइकिल समेत उससे जुड़े अन्य साक्ष्यों को आग के हवाले कर दिया. कुछ साक्ष्य छिपा दिए गए और तीनों वहां से फरार हो गए. उन्हें लगा था कि आग सबूतों को राख कर चुकी है. उन्हें यह भी लगा कि कृष्णा की हत्या का राज अब हमेशा के लिए उसी सुनसान मैदान में दफन हो गया.

लेकिन ऐसा हुआ नहीं...

17 अप्रैल 2015 को कृष्णा का शव बरामद हुआ. पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर जांच शुरू की. सुराग तलाशे गए, लेकिन हत्यारे पुलिस की पकड़ से बाहर रहे.

एक साल बीता... फिर दूसरा... फिर तीसरा... ग्यारह साल गुजर गए. कृष्णा के परिवार के लिए वह रात वहीं अटकी रही, पुलिस की फाइल में सवाल वही था– आखिर कृष्णा को किसने मारा?

फिर जेल से निकली वह एक बात...

11 अगस्त 2026 –पुलिस को जानकारी मिली कि कृष्णा की हत्या में अकील, आरिफ और परवेज का हाथ था. जांच आगे बढ़ी तो पुलिस ने अकील और आरिफ को पकड़ लिया. दोनों किसी दूसरे मामले में पहले से जेल में बंद थे. वहां साथी कैदियों के सामने खुद को दबंग साबित करने के लिए वे अक्सर अपनी अपराध की कहानियां सुनाते थे. इसी दौरान दोनों ने कृष्णा की हत्या की बात भी बता दी थी. जिस राज को दोनों ने 11 साल तक पुलिस से छिपाकर रखा, उसी राज की डींग जेल की चारदीवारी से बाहर आ गई. पूछताछ शुरू हुई. पहले सवाल हुए... फिर जवाब मिले... और धीरे–धीरे 17 अप्रैल 2015 की वह रात फिर सामने आ गई। पुलिस ने अकील उर्फ नाइट्रा और मोहम्मद आरिफ उर्फ नाइट्रा, दोनों 30 वर्ष, को गिरफ्तार कर लिया. तीसरा आरोपी परवेज अब जीवित नहीं है, कृष्णा हत्याकांड के कुछ सालों बाद ही उसकी मौत हो चुकी है. पुलिस ने आरोपियों से लूट का सामान, चेन, लॉकेट, मोटरसाइकिल और अन्य सामग्री बरामद की है.

जिस बात पर अकड़ते थे, वही गले की फांस बन गई...

अकील और आरिफ ने शायद सोचा था कि 11 साल बाद उस हत्या का कोई हिसाब नहीं होगा. सबसे बड़ा सुराग किसी जले हुए कागज, छूटे हुए हथियार या पुराने सीसीटीवी से नहीं, बल्कि आरोपियों की अपनी ही बात से सामने आया. जांच में मुखबिर सूचना के साथ तकनीकी साक्ष्यों ने भी पुलिस को आरोपियों तक पहुंचने में मदद की. पुलिस रिकॉर्ड के मुताबिक अकील के खिलाफ इंदौर और उज्जैन के अलग–अलग थानों में लूट, चोरी, मारपीट, धमकी, हत्या के प्रयास और आर्म्स एक्ट सहित कई मामले दर्ज हैं. आरिफ के खिलाफ भी उज्जैन के नरवर में लूट और खजराना में चोरी सहित पुराने मामले दर्ज हैं. ग्यारह साल पहले जिस कृष्णा की आवाज हमेशा के लिए खामोश कर दी गई थी, उसी की हत्या का राज आखिरकार उन लोगों की आवाज से खुला, जो समझते थे कि पुलिस को कभी कुछ पता नहीं चलेगा. मनोज सेंधव, थाना प्रभारी बोले– लंबे समय से लंबित गंभीर अपराधों के निराकरण के लिए टीम लगातार काम कर रही थी. मुखबिर की सूचना के साथ ही तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर 2015 के हत्या मामले में आरोपियों की पहचान हुई.

बिग बी के रिटायरमेंट की खबरों पर लगा विराम

अमिताभ ने तोड़ी चुप्पी

महानायक अमिताभ बच्चन के रिटायरमेंट की खबरों पर अब खुद बिग बी ने विराम लगा दिया है. कुछ दिन पहले अपने ब्लॉग में की गई एक टिप्पणी के बाद उनके काम से संन्यास लेने की अटकलें लगने लगी थीं. प्रशंसकों के बीच भी इसे लेकर चर्चा शुरू हो गई थी कि क्या अमिताभ बच्चन अब फिल्मों और टेलीविजन से दूरी बनाने की तैयारी कर रहे हैं. अब अभिनेता ने अपने नए ब्लॉग में साफ कर दिया है कि ऐसा कुछ नहीं है.

अमिताभ इन दिनों 'कौन बनेगा करोड़पति' के 18वें सीजन की मेजबानी कर रहे हैं. इसके अलावा वह नियमित रूप से ब्लॉग के जरिए अपने प्रशंसकों से संवाद करते हैं. कुछ दिन पहले उनके ब्लॉग में रिटायरमेंट की इच्छा से जुड़ी बात सामने आई थी. इसे लेकर खबरें बनने के बाद अमिताभ ने अपने अगले ब्लॉग में उसी टिप्पणी का संदर्भ देते हुए सफाई दी. बिग बी ने स्पष्ट किया कि वह काम से रिटायर नहीं हो रहे हैं. उन्होंने अपने चिर–परिचित अंदाज में पिछली बात का मतलब समझाया और बताया कि उनका इशारा काम छोड़ने की ओर नहीं था. उन्होंने मजाकिया अंदाज में कहा कि उसका अर्थ सोने के लिए जाना था और वहां प्रशंसकों के आने की अनुमति नहीं है. अमिताभ की इस सफाई से रिटायरमेंट को लेकर चल रही अटकलें खत्म हो गई हैं. अभिनेता लंबे समय से अपने काम के साथ–साथ ब्लॉग के जरिए प्रशंसकों से जुड़े हुए हैं. उनके ब्लॉग में कई बार काम के अनुभव, निजी भावनाएं और रोजमर्रा की जिंदगी से जुड़ी बातें देखने को मिलती हैं. बिग बी की उम्र और लंबे करियर को देखते हुए उनके प्रशंसक उनकी हर टिप्पणी पर खास नजर रखते हैं. ऐसे में ब्लॉग की एक टिप्पणी को रिटायरमेंट से जोड़कर देखे जाने के बाद अमिताभ ने खुद स्थिति स्पष्ट करना जरूरी समझा.

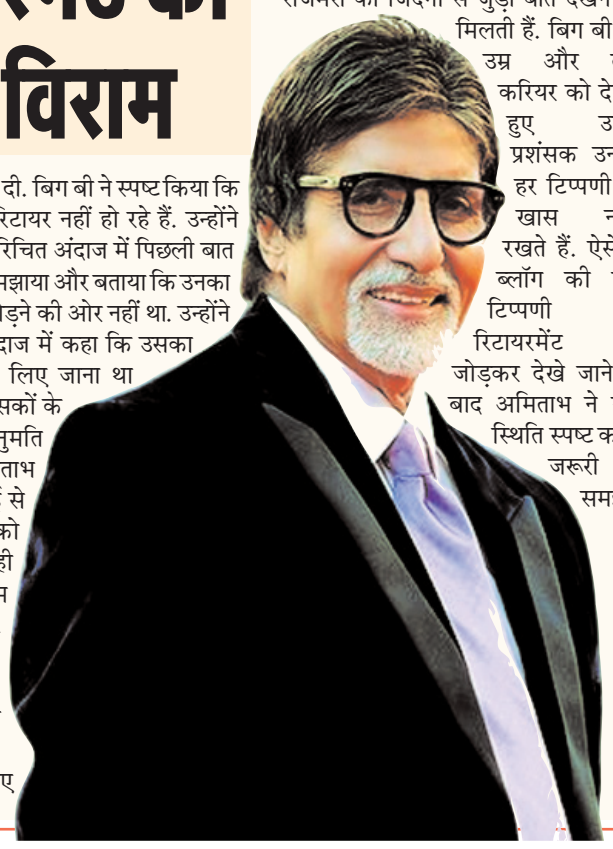

प्रियंका ने निक को बनाया भारत का 'नेशनल जीजू'

कभी अपनी आवाज और संगीत के लिए दुनिया भर में पहचान बनाने वाले निक जोनस आज भारत में एक और नाम से मशहूर हैं—'नेशनल जीजू'. अमेरिकी गायक, गीतकार और संगीतकार निक ने बुधवार को अपना 34वां जन्मदिन मना रहे हैं.

भारत में उनकी लोकप्रियता का सफर प्रियंका चोपड़ा से जुड़ने के बाद तेजी से बढ़ा, लेकिन संगीत की दुनिया में निक की कहानी इससे काफी पहले शुरू हो चुकी थी.

निक को बचपन से ही संगीत में रुचि थी. उनकी मां ने कम उम्र में उनके अंदर छिपी प्रतिभा को पहचान लिया था. इसके बाद उन्होंने संगीत को अपना करियर बनाने की दिशा में कदम बढ़ाया. किशोरावस्था में ही निक संगीत की दुनिया में सक्रिय हो गए थे. 14 साल की उम्र में उनकी पहली प्रेम कहानी भी शुरू हुई थी.

कम उम्र से ही उनका निजी और पेशेवर जीवन लोगों की दिलचस्पी का हिस्सा बनता गया. समय के साथ निक ने गायक और गीतकार के रूप में अपनी अलग पहचान बनाई.

ज्योतिका ने इस खास मौके पर सूर्या के साथ संयुक्त पोस्ट भी साझा की. शादी के दो दशक पूरे होने के मौके पर दोबारा एक–दूसरे से वादे करना इस समारोह का सबसे भावुक हिस्सा रहा. दोनों की तस्वीरें सामने आने के बाद प्रशंसकों के बीच भी इस खास जश्न की चर्चा है. 20 साल के वैवाहिक सफर के बाद दोबारा शादी की रस्में निभाना इस जोड़ी के लिए अपने पुराने वादों और साथ को फिर से याद करने का खास मौका बना.

20 साल बाद फिर दुल्हन बनीं ज्योतिका सदनाह

शादी के 20 साल बाद एक बार फिर दुल्हन बनीं ज्योतिका और एक बार फिर अपनी जीवनसंगिनी के साथ शादी की कसमें दोहराते नजर आए सूर्या. दक्षिण भारतीय सिनेमा की इस चर्चित जोड़ी ने अपनी 20वीं शादी की सालगिरह को खास अंदाज में मनाया. परिवार और करीबी दोस्तों की मौजूदगी में दोनों ने चर्च में शादी की रस्में निभाईं. इस दौरान कई ऐसे पल कैमरे में कैद हुए, जिन्होंने समारोह को यादगार बना दिया.

सामने आए वीडियो में सूर्या चर्च के अंदर खड़े नजर आते हैं. कुछ देर बाद ज्योतिका सफेद दुल्हन के परिधान में वहां पहुंचती हैं. उन्हें अपनी ओर आते देखकर सूर्या भावुक हो जाते हैं. इसके बाद दोनों परिवार और करीबी दोस्तों के बीच एक–दूसरे से शादी के वादे दोहराते हैं. समारोह के दौरान दोनों का साथ और एक–दूसरे के प्रति अपनापन साफ नजर आया. चर्च से बाहर निकलने के दौरान दोस्तों ने सूर्या और ज्योतिका पर फूलों की पंखुड़ियां बरसाईं. दोनों इस दौरान काफी खुश नजर आए. कुछ तस्वीरों में सूर्या पत्नी को गले लगाते दिखाई देते हैं, जबकि एक अन्य तस्वीर में दोनों साथ खड़े होकर तस्वीर खिंचवाते नजर आए. अभिनेता कार्थी भी इस खास समारोह में मौजूद रहे. एक कैंडिड पल में वह सूर्या की मदद करते दिखाई दिए.

टेलीविजन हलचल

त्योहारों में फिर गूंजेगी कपिल की हंसी, 26 से सीजन–5 होगा शुरू

त्योहारों के मौसम में जब घरों में रौनक बढ़ेगी, उसी दौरान टीवी और मोबाइल स्क्रीन पर हंसी का नया दौर भी शुरू होगा। लोकप्रिय हास्य कार्यक्रम 'द ग्रेट इंडियन कपिल शो' अपने पांचवें सीजन के साथ वापसी करने जा रहा है. कपिल शर्मा और उनकी पूरी टीम एक बार फिर दर्शकों के बीच होगी. मेकर्स ने बुधवार को सोशल मीडिया पर एक वीडियो जारी कर नए सीजन की घोषणा की. कार्यक्रम की शुरुआत 26 सितंबर से होगी और नए एपिसोड हर शनिवार रात 8 बजे जारी किए जाएंगे .नए सीजन की सबसे खास बात इसकी त्योहार आधारित प्रस्तुति है. इस बार कार्यक्रम की थीम 'हंसी का त्योहार' रखी गई है. घोषणा वीडियो में कपिल शर्मा अपनी टीम के साथ बैठे दिखाई देते हैं. वह सीजन–5 की शुरुआत को लेकर बात करते हैं और इसके बाद पूरी टीम जश्न के अंदाज में नजर आती है. कृष्णा अभिषेक और कीकू शारदा ढोल–नगाड़े बजाते दिखाई देते हैं. टीम के सदस्य अलग–अलग त्योहारों की शुभकामनाएं देते नजर आते हैं.

बप्पा की विदाई में झूमे अनंत–राधिका

अंबानी परिवार ने मचाई धूम

अंबानी परिवार हर साल गणेश उत्सव को भव्य अंदाज में मनाता है. इस बार भी गणेश चतुर्थी के अवसर पर एंटीलिया में बप्पा की स्थापना की गई थी. स्वागत समारोह में मनोरंजन जगत की कई चर्चित हस्तियां पहुंची थीं. अब विसर्जन के दौरान भी परिवार ने परंपरा और उत्सव का रंग बनाए रखा. बप्पा की विदाई के साथ गणेश उत्सव का समापन हुआ, लेकिन अंबानी परिवार के विसर्जन समारोह की तस्वीरें और अनंत–राधिका का उत्साह सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बना हुआ है.

गणेश चतुर्थी के मौके पर बप्पा का भव्य स्वागत करने के बाद अंबानी परिवार ने उन्हें उतने ही उत्साह और धूमधाम के साथ विदाई दी. मुंबई में गणपति विसर्जन के दौरान अंबानी परिवार के सदस्य एक साथ नजर आए. नीता अंबानी, अनंत अंबानी और राधिका मर्चेंट समेत परिवार के कई सदस्य विसर्जन समारोह में शामिल हुए. इस दौरान ढोल–नगाड़ों की धुन पर जश्न मनाया गया और रंग–गुलाल भी खूब उड़ा. बप्पा की विदाई के लिए अंबानी परिवार के सदस्य देर रात घर से बाहर निकले. गणेश चतुर्थी के दौरान एंटीलिया में स्थापित की गई भगवान गणेश की प्रतिमा को विसर्जन के लिए ले जाया गया. पूरे रास्ते उत्सव का माहौल नजर आया. परिवार के सदस्य बप्पा को विदाई देने के साथ नृत्य करते दिखाई दिए.

इस दौरान अनंत अंबानी और राधिका मर्चेंट ने भी जमकर नृत्य किया. दोनों का उत्साह समारोह में खास नजर आया. ढोल की थाप और गुलाल के बीच परिवार के अन्य सदस्य भी जश्न में शामिल रहे. सामने आए दृश्यों में गणपति विसर्जन का उत्साह साफ दिखाई दे रहा है.

हनुमान अंश' का 40वें दिन भी दंगल

8.25 करोड़ की कमाई

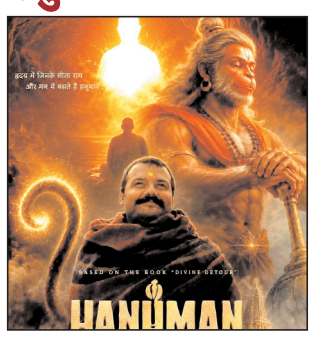

बॉक्स ऑफिस पर 'हनुमान अंश' की रफ्तार 40 दिन बाद भी थमने का नाम नहीं ले रही है. रिलीज के छठे सप्ताह में पहुंच चुकी यह फिल्म मंगलवार को भी दर्शकों को सिनेमाघरों तक खींचने में कामयाब रही. फिल्म ने अपने 40वें दिन 8.25 करोड़ रुपये का कारोबार किया. इससे पहले 39वें दिन भी फिल्म की कमाई 8.25 करोड़ रुपये रही थी. यानी लगातार दूसरे दिन फिल्म ने समान कारोबार दर्ज किया.

बुधवार की कमाई जुड़ने के बाद 'हनुमान अंश' का घरेलू कुल शुद्ध कारोबार 231.19 करोड़ रुपये पहुंच गया है. वहीं दुनिया भर में फिल्म की कुल कमाई 291.40 करोड़ रुपये हो चुकी है. 40 दिन पूरे होने के बाद भी फिल्म की कमाई का यह स्तर इसे बॉक्स ऑफिस पर मजबूत स्थिति में बनाए हुए है. फिल्म के सामने अब लंबे समय तक सिनेमाघरों में टिके रहने की चुनौती है, लेकिन मंगलवार के आंकड़ों से संकेत मिल रहा है कि दर्शकों की दिलचस्पी अभी बनी हुई है. खास बात यह भी है कि फिल्म ने अपने छठे सप्ताह में प्रवेश करने के बावजूद एक दिन में आठ करोड़ रुपये से अधिक की कमाई की है. इसी बीच 'मिर्जापुर द मूवी' भी बॉक्स ऑफिस पर अपनी पकड़ बनाए हुए है. फिल्म का प्रदर्शन चर्चा में है और यह 'हनुमान अंश' के साथ दर्शकों का ध्यान खींच रही है. दूसरी ओर 'हैवान' की कमाई कमजोर पड़ती नजर आ रही है.